शिक्षा व उद्योग के सहयोग से तैयार होगी दक्ष श्रमशक्ति

बोले मनीष जैन

कोलकाता. कलकत्ता चेंबर ऑफ कॉमर्स और राज्य के उच्च शिक्षा विभाग की ओर से सेमिनार का आयोजन किया गया. मौके पर शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव मनीष जैन ने कहा कि स्कूल व कॉलेज स्तर पर छात्रों की दक्षता बढ़ाने के लिए सरकार कई योजनाओं पर काम कर रही है. शैक्षिक संस्थानों एवं उद्योग जगत के बीच तालमेल होने से युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे. अगर इंडस्ट्री को स्किल्ड श्रमशक्ति मिलेगी, तो उनके बिजनेस पर भी असर पड़ेगा. युवाओं को इंटर्नशिप के जरिये उद्योगों से जोड़ा जा सकता है, जिससे वे प्रैक्टिकल ज्ञान हासिल कर सकते हैं. रोजगार के अवसर बढ़ाने व युवाओं को औद्योगिक रूप से ट्रेंड करने के लिए वाणिज्य व बिजनेस संगठनों को आगे आना चाहिए. उन्होंने कहा कि चंद्रयान लांचिग प्रोजेक्ट में आइआइटी खड़गपुर के साथ जादवपुर यूनिवर्सिटी के 38 वैज्ञानिक शामिल थे.

कार्यक्रम में आइआइएम कलकत्ता के डाइरेक्टर इनचार्ज प्रो. सैबल चट्टोपाध्याय ने कहा कि भारत में शिक्षा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर बदलाव देखा जा रहा है. शिक्षा नीति उद्योग सहयोग को प्रोत्साहित करने वाले मॉडल के साथ पारंपरिक शैक्षिक तरीकों को विलय करने के लिए एक आदर्श बदलाव पर जोर देती है. भारत में उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के बीच सहयोग को आगे बढ़ाने से स्किल्ड श्रमशक्ति तैयार होगी. उद्योग में आवश्यक कौशल, ज्ञान और पारस्परिक रूप से लाभप्रद परिणामों के लिए विश्वविद्यालयों द्वारा उत्पादित स्नातकों के बीच अंतर और बेमेल को खत्म किया जा सकेगा.

स्वागत भाषण में सीसीसी के अध्यक्ष हरिशंकर हलवासिया ने कहा कि चेंबर उद्योग और व्यापारिक प्रयासों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के साथ-साथ नागरिक समाज से संबंधित मुद्दों पर बहस को भी बढ़ावा देता है. मौके पर हरि मोहन बांगुर (प्रबंध निदेशक, श्री सीमेंट लिमिटेड), सज्जन भजंका (अध्यक्ष, सेंचुरी प्लाईबोर्ड्स लि.), रुद्र चटर्जी (प्रबंध निदेशक, लक्ष्मी टी कंपनी लिमिटेड) ने भी अपने विचार रखे.